ट्रेन के सफ़र में सहकर्मी की चुदाई की कहानी

“यह चुदाई की कहानी मैं भुला कर भी नहीं भुला पाया। मैं अपने ऑफ़िस की लड़की के साथ दिल्ली से बंगलौर जा रहा था ट्रेन से, ट्रेन में जो कुछ हुआ, पढ़ कर मजा लें। …”

Story By: Shourya Jain (stupidlover09)
Posted: शुक्रवार, जून 2nd, 2017
Categories: ऑफिस सेक्स
Online version: ट्रेन के सफ़र में सहकर्मी की चुदाई की कहानी

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

ट्रेन के सफ़र में सहकर्मी की चुदाई की कहानी

मेरा नाम करण है, मैं 28 साल का हूँ, साउथ दिल्ली में रहता हूँ। दिल्ली की एक निजी कम्पनी में कार्यरत हूँ।
कम्पनी के काम से कई बार मेरा बाहर आना जाना लगा रहता है।

आज मैं अपनी पहली कहानी जिसे मेरी ज़िन्दगी का अनुभव कहूँ या एक ऐसा हादसा जो मुझे पागल कर गया क्योंकि हादसे अक्सर भुलाने से भी नहीं भुलाए नहीं जाते हैं।

एक बार मुझे और मेरे ऑफ़िस में काम करने वाली मेरी कलीग रंजना को कम्पनी के काम से बंगलौर भेजा जा रहा था। वो दिल्ली में अकेली फ्लैट लेकर रहती थी तो उसे कम्पनी की तरफ से भेजे जाने पर कोई ऐतराज भी नहीं था और कोई पारिवारिक समस्या भी नहीं थी।

कम्पनी ने हम दोनों के लिए ट्रेन का फर्स्ट क्लास एसी में टिकट तत्काल में करवा दिया। मेरी कम्पनी मुझे फ्लाइट से भी भेज सकती थी पर रंजना को फ्लाइट में बैठने से बहुत डर लगता था और जिस काम एक लिए कम्पनी हमें भेज रही थी उसमें रंजना का जाना जरूरी था।

हम दोनों दिल्ली से बंगलौर जाने वाली ट्रेन में सवार होकर बंगलौर की तरफ निकल पड़े। हमने अपना सामान अपने कैबिन में रखा और वाश रूम में जाकर कपड़े बदल कर वापस अपनी सीट पर बैठ गये। क्योंकि फर्स्ट क्लास थी तो हम दोनों के अलावा हमारे कैबिन में कोई नहीं था।

मैंने कभी रंजना को गलत नजर से नहीं देखा क्योंकि एक तो वो मेरी जूनियर थी और दूसरा

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

उसका बॉयफ्रेंड भी था। हम दोनों एक दूसरे से निजी जीवन की बातें करने लगे और एक दूसरे को जानने लगे।
इससे पहले कभी हमारी ऑफ़िस के काम के अलावा कभी कोई बात नहीं हुई थी।

रंजना को पहली बार बहुत करीब से देख रहा था। उसने ब्लैक कलर की टीशर्ट और ग्रे कलर की कैपरी पहन रखी थी और बहुत ही ज्यादा खूबसूरत और हॉट लग रही थी। टीशर्ट को ध्यान से देखने पे पता लग रहा था कि उसने ब्रा नहीं पहनी। मेरी नजर उसकी चुची पे बार-बार पड़ रही थी… और पड़े क्यों नहीं जब भरा और गदराया जिस्म सामने हो। वो भी एक कुँवारी 23 साल की लड़की तो मन बार बार डोल ही जाता है। उसकी चुची यही करीब 34″ की थी।

रंजना बार-बार मेरी नजरों की तरफ देख रही थी और मन ही मन पता नहीं क्या सोच रही थी कि वो उठी और पास पड़ी चादर अपने ऊपर डाल कर बोली- बहुत ठंड लग रही है।
मैं समझ गया था कि यह मुझसे खुद को छुपा रही है।

खैर मैं भी अपने बैग से एक रोमांटिक बुक निकाल कर पढ़ने लगा और रंजना को नज़र अंदाज करने लगा।

रंजना को पता नहीं क्या हुआ कि वो अपनी चादर हटा कर मेरे पास आई बोली- यह तो वो ही बुक है ना जिसमें एक लड़का एक लड़की से प्रेम करता है पर लड़की सिर्फ अपने जिस्म की हवस पूरी करने के लिए उस लड़के का यूज करती है ?

मैंने कहा- हाँ ये वो ही बुक है। पर ये तो बहुत अडल्ट है। क्या तुम ऐसी बुक्स पढ़ती हो ?

रंजना- हाँ मुझे रोमांटिक और हॉट टाइप स्टोरी बहुत पसंद है पर पहले नहीं पसंद थी पर वरुण (उसका बॉयफ्रेंड) ने कई बार मुझे ऐसी बुक्स ला कर दी तो पढ़ने लगी और अब

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

पसंद भी आती हैं।

तो मैंने मौके की नजाकत भांप कर पूछ लिया- क्या तुम और वरुण एक दूसरे से ऐसी बातें भी करते हो या फिर सिर्फ बुक तक ही सीमित हो ?
रंजना- हमारे बीच कोई दीवार नहीं है हम दोनों अपनी हर हद पार कर चुके हैं। बस एक कमी है।
मैंने पूछा- क्या ?
रंजना- वो बहुत जल्द डिस्चार्ज हो जाता है, उसे पता नहीं क्यों और किस बात की जल्दी रहती है और मैं तड़फ कर रह जाती हूँ।

मैंने कहा- यार ये तो सही नहीं है। जब तक आग दोनों तरफ से ठंडी ना हो तो मजा ही क्या और सेक्स में तो मजा तभी है जब दोनों एक दूसरे की हर इच्छाओं को तृप्त करते हुए चरम तक पहुँचे।

रंजना ने मेरी बात बीच में काट दी और बोलने लगी- जानती हूँ ये सब… पर क्या करूँ, मैं उससे बहुत प्यार करती हूँ और उसे छोड़ भी नहीं सकती। पर सच ये भी है कि जिस्म की भूख भी मुझे बहुत सताती है।
मैंने कहा- मजबूर क्यों ? उससे बात करो, उसे समझाओ।
रंजना- छोड़ो ये सब… ये बताओ तुमने कितनी लड़कियों के साथ ये सब किया है ?

मैंने बोला ‘करोड़ो’ और उसकी तरफ आँख मार दी।

रंजना- यार, मजाक मत करो बताओ भी ?
मैंने कहा- यार, मैंने दो के साथ सेक्स किया है एक मेरी गर्लफ्रेंड और एक मेरी फ्रेंड !
रंजना- तो अब भी दोनों से करते हो या एक से ?

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

मैंने कहा- अब मैं किसी से भी नहीं करता क्योंकि जो दोस्त थी वो शादी के बाद अमेरिका चली गई और गर्ल फ्रेंड से मेरा ब्रेकअप हो गया… क्योंकि उसे वक्त चाहिए था और मैं वक्त देने में नाकाम रहा।

रंजना- अच्छा, और क्या तुम्हारी गर्ल फ्रेंड तुमसे तृप्त हो जाती थी ?

'हा हा हा…' मैं हँसने लगा- यार अब क्या बोलूँ… वो मेरे साथ सेक्स करने से डरती थी क्योंकि मैं उससे एक घंटे तक किस करके ही उसे दो से तीन बार डिस्चार्ज कर देता था और जब सेक्स शुरू करता तो वो चिल्लाने लगती क्योंकि मेरे को सेक्स करने में मास्टर डिग्री हासिल हैं क्योंकि मैंने सेक्स की हर बारीकी को पढ़ा और जाना है इसलिए कहाँ और कब डिस्चार्ज होना है और कैसे पार्टनर को खुश करना है इन सबका अनुभव है।

रंजना- मतलब तुम सेक्स करते हो तो तभी डिस्चार्ज होते हो, जब तुम चाहते हो। मतलब तुम्हारी गर्लफ्रेंड डिस्चार्ज हो जाती थी उस वक्त भी तुम्हारा पेनिस खड़ा रहता था ?
मैंने कहा- हाँ, क्योंकि मेरा लंड बहुत सख्त और मजबूत है।
रंजना- ओह, क्या मैं देख सकती हूँ ?

मैं सोच में पड़ गया और अचानक सचेत होते हुए- क्या ?
रंजना- अरे दिखाओ भी ! मुझे भी तो पता लगे कि क्या राज है तुम्हारे पेनिस का ऐसा… और मैं देखना भी चाहती हूँ कि वरुण और तुम्हारे पेनिस में अंतर कितना है।
मैंने कहा- यार, लंड सबका एक जैसा ही होता है। किसी का छोटा तो किसी का बड़ा। बस खुद पर विश्वास और शरीर फुर्तीला होना जरूरी है, और सेक्स करते वक्त सेक्स को ध्यान में रखना सही नहीं होता। और वैसे सक्षमता भी होनी जरूरी है कि अपने पार्टनर को चरम सीमा तक पहुंचाए बिना डिस्चार्ज नहीं होना।

रंजना- यार अब दिखा दो। ये सब बातें तो होती रहेंगी, मुझे बहुत उत्सकता होने लगी है।

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

मैंने भी कह दिया- एक शर्त पे… तुम मेरे सामने अपने सब कपड़े उतार दो, मैं भी उतार दूंगा।

वो सोचने लगी और बोली- उतार तो दूंगी… पर एक शर्त… कुछ करेंगे नहीं!
मैंने कहा- मंजूर… पर हम कपड़े तब तक नहीं पहनेंगे जब तक कोई दरवाजा नोक ना करे!
मुझे मालूम था कि टीटी आकर जा चुका है और खाना पीना हम खा चुके हैं और चादर तकिये सब सुविधा आलरेडी है तो यहाँ कोई आने वाला नहीं है।

उसने सोचा होगा कि कोई तो आ ही जायेगा और तपाक से कह दिया- ठीक है, मुझे मंजूर है!
मैंने कहा- 'सोच लो, एक भी कपड़ा नहीं होना चाहिए शरीर पर और इस चादर से भी नहीं छुपाओगी!
उसे पता नहीं क्या सूझ रही थी, उसने हर शर्त मान ली।

अब शुरू हुआ वस्त्रों का उतरना.. धीरे धीरे हम दोनों नंगे हो गये और एक दूसरे को निहारने लगे।
मेरा लंड 6 इंच लम्बा है और ढाई इंच के करीब मोटा… वो मेरे लंड को निहार रही थी।

मैं बोला- क्या देख रही हो?
तो वो बोली- यार उसका छोटा है और पतला भी… पर तुम्हारा तो यार बहुत मस्त है।
मैंने कहा- हाथ में लेकर देख लो!
रंजना- यार नहीं.. कहा था ना एक दूसरे के साथ कुछ नहीं करेंगे।
मैंने फिर से कहा- देखो तो सही… कुछ करना थोड़ी है।

उसने कई बार मना किया पर अंत में उसकी ललचाई नजर उसे मेरे पास ले आई और मेरा लंड हाथ में लेकर वो आगे पीछे करने लगी और अपनी जीभ होंठों पे फेरने लगी।

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

मुझसे रहा नहीं गया… मैंने कहा- देख यहाँ हम दोनों के बीच कोई नहीं, और ना ही हमारी कोई बात बाहर जायेगी, इसलिए कुछ समय के लिए भूल जा तुम्हारा कोई बॉय फ्रेंड है।
वो मेरी तरफ देखने लगी।
मैंने कहा- यार समझो, आज तुम्हें 'सेक्स क्या होता है' वो बताऊँगा… बस तुम साथ दो!

वो सुन रही थी और चुप थी और मेरा लंड बस हाथ में लेकर दबा रही थी।
मैं उसके भाव और चुप्पी को समझते हुए गाल पे हाथ फेरने लगा और बोला- जीभ होंठ पे फेरने की जगह लंड पे फेरो, देखो कितना अच्छा लगेगा।

उसे सेक्स का ऐसा बुखार चढ़ आया कि उसने तपाक से मेरा लंड अपने मुँह में ले लिया और चूसने लगी जैसे कई दिनों की भूखी हो, और बहुत प्यार से लंड को सहलाने लगी।
दिल मेरा भी धक धक करने लगा कि ये सफ़र कहीं रूक न जाये। मेरे दिल में रंजना के लिए स्पेस बढ़ने लगा और दिल कहने लगा 'काश ये खूबसूरत बाला मेरी हो जाये और यूँ ही एक दूसरे में खो जायें!'

इसी बीच मेरी ख़्वाबों भरी निद्रा भंग हो गई जब रंजना ने चुटकी काटते हुए बोली- क्या हुआ जनाब, कहाँ खो गये?
मैंने कहा- कहीं नहीं यार, बस मन कर रहा है कि ये पल यहीं रूक जायें और तुम मुझमें और मैं तुझमें समा जाऊं।
रंजना बोली- अब बचा क्या है यार, दूरियाँ तो खत्म हो गई हैं, अब तो आगोश में ले लो और समा जाओ मेरे अंदर और तृप्त कर दो आज मेरी प्यास अपने प्यार से। मुझे ऐसा प्यार दो कि मैं तुम्हारे पास हर पल भागी चली आऊँ।

मैंने कहा- प्यार तो बहुत दूंगा पर ये नहीं पता तुम कितना साथ दे पाओगे मेरा… क्यूंकि तेरी हर आह और सिसकी से मेरा जोश बढ़ेगा और तुम्हारी खामोशी से मेरा मन भंग हो जायेगा। इसलिए सेक्स और प्यार में खुद को रोमांचित रखो, तभी मजा है यार!

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

रंजना- वक्त दो, सब समझ आ जायेगा कि मैं कितनी सेक्सी हूँ और कितनी रोमांटिक हूँ। बस मुझे तृप्ति की सीमा तक पहुँचा दो।

मैंने रंजना को गोद में उठाया, सीट पे लिटा दिया और मैं उसके पैरों के पास बैठ कर उसके पैरों की उंगलियों पर जीभ फेरने लगा और एक हाथ उसकी जांघ पर फेरने लगा।

रंजना दूध के जैसे सफेद थी और इसी कारण उसका हर अंग अंग मक्खन की तरह चिकना था। मन कर रहा था उसके हर हिस्से पर दूध डालकर उसे पी जाऊं।
उसके पैरों की हर उंगली को चाटते चाटते धीरे धीरे घुटनों की तरफ बढ़ने लगा और किस के साथ साथ जीभ से उसकी टांगों को चाटने लगा।

रंजना की आँखों में अब हवस भर चुकी थी और मेरे अंदर उससे ज्यादा!
वो अपने हाथों को मेरे बालों में फ़िराने लगी और कभी अपने दोनों हाथों से अपनी चुची को मसलने लगी और सिसकारियाँ लेने लगी।

मैं धीरे धीरे जांघ तक आ गया और उसकी चूत को देखने लगा। हल्के बालों से घिरी चूत और अंदर का गुलाबी भाग मुझे और ज्यादा रोमांचित करने लगा.. मैंने देर ना करते हुए चूत पर जीभ रख दी और उसपे जीभ चलाने लगा।
रंजना मेरे सर को पकड़ चूत पे दबाने लगी, मैं उसकी चूत को कभी चाट रहा था तो कभी किस करने लगा, मेरे दोनों हाथ उसकी चुची दबाने लगे।
मैं देर ना करते हुए उसकी चूत को मसलने लगा.. जिस कारण वो अकड़ गई और उसकी चूत ने पानी छोड़ना शुरू कर दिया।

रंजना मुझे अपनी ओर खींचने लगी पर मैं कहाँ रुकने वाला था, मैं अपनी जीभ वापस उसकी चूत पे रखने की कोशिश करने लगा पर रंजना की अकड़न की वजह से उसके पैर नहीं खोल पा रहा था कि तभी रंजना ने खुद को ढीला छोड़ दिया फिर मैं वापस उसकी चूत

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

को चाटने लगा और चूत से निकलते रस को चाटने लगा।

रंजना कहने लगी- अब देर मत करो, प्लीज चोद दो प्लीज यार… उम्म्ह… अहह… हय… याह… अब मुझसे रहा नहीं जा रहा।
मैंने कहा- जान, यह तो अभी शुरुआत है।

मैंने अपना बैग खोला, उसमें से जस्ट जेली का पैकेट निकाला (मुझे जेली खाने का शौक है इसलिए हमेशा मेरी बैग में रहती ही है और खासकर सफ़र में) मैंने एक एक कर सभी जेली ओपन कर उसकी चूत पे लगा दी और चूत फिर जेली को चाट चाट कर साफ़ करने लगा। सच कहूँ तो जेली का मजा दुगना हो गया।
और इधर रंजना दूसरी बार पानी छोड़कर मुझे अपने ऊपर आने का इशारा करने लगी।

मैंने कहा- तुम अब मेरा लंड चूसो और इसे मदमस्त करो।
रंजना बोली- प्लीज जान, अभी बस मुझे चुदना है, फिर तुम जो कहोगे, वो ही करूँगी पर प्लीज एक बार अपने लंड से मेरी चूत को अच्छे शांत कर दो, फिर जैसे कहोगे वैसे ही होगा।

मैंने भी उसकी बात को समझा और उसके ऊपर आ गया और उसकी चूत पर लंड लगाकर उसे अंदर पेलने लगा। रंजना पहले से चुदी हुई थी इसलिए लंड आसानी से अंदर जाने लगा पर थोड़ा दर्द जरूर रंजना को हुआ क्योंकि रंजना का बॉयफ्रेंड का लंड उसे कभी ठीक तरह सेक्स का मजा नहीं दे पाया था।

मेरा लंड चूत के अंदर पूरी तरह समा चुका था, मैं धीरे धीरे अंदर बाहर करने लगा और रंजना के होंठों पर स्मूच करने लगा। मैं उसकी गर्म चूत में लंड डालकर बहुत आनन्दित हो चुका था।
धीरे धीरे मैं अपनी स्पीड बढ़ाने लगा।

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

यह हिंदी सेक्स स्टोरी आप अन्तर्वासना सेक्स स्टोरीज डॉट कॉम पर पढ़ रहे हैं!

रंजना ने इशारा किया कि उसे मेरे ऊपर आना है, नीचे मैं लेट गया मैंने उसे अपने ऊपर ले लिया और अब रंजना मेरे लंड पे सवार होकर उछल उछल कर चुदाई का आनन्द लेने लगी।
थोड़ी देर में रंजना और मैं दोनों एक साथ शांत हो गये पर मेरा लंड अभी भी खड़ा था जिसकी वजह से मैंने लंड चूत से निकाला और रंजना के मुंह के पास ले गया।

रंजना ने देर न करते हुए मेरा लंड मुंह में ले लिया और चूसने लगी।
सच कहूँ तो रंजना वो पहली लड़की थी जिसने बिना ना नुकुर के लंड मुंह में लिया और चूस लिया।
रंजना बड़े आनन्द से मेरा लंड चूसने लगी और मैंने अपना सारा पानी रंजना के मुंह में छोड़ दिया।

डेढ़ घंटे की कामक्रीड़ा के बाद दोनों थक गये थे इसलिए कुछ देर आराम करने की सोची और हम एक दूसरे को बांहों में लेकर सो गये।
उस रात हमने 4 बार सेक्स किया।

जब बंगलौर पहुँचे तो हम एक साथ होटल में रुके। होटल में मैंने उसके साथ कई तरीके से सेक्स किया।

आपको मेरी जिन्दगी की हकीकत कैसी लगी, मेल कर जरुर बताएं।
stupidlover09@gmail.com

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

Other sites in IPE

Arab Sex

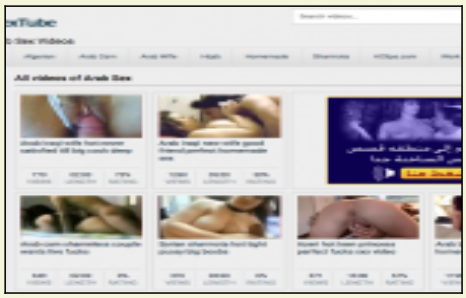

URL: www.arabicsextube.com **Average traffic per day:** 80 000 GA sessions **Site language:** English **Site type:** Video **Target country:** Egypt and Iraq Porn videos from various "Arab" categories (i.e Hijab, Arab wife, Iraqi sex etc.). The site in intended for English speakers looking for Arabic content.

Urdu Sex Stories

URL: www.urduxstories.com **Average traffic per day:** 6 000 GA sessions **Site language:** Urdu **Site type:** Story **Target country:** Pakistan Daily updated Pakistani sex stories & hot sex fantasies.

Tamil Kamaveri

URL: www.tamilkamaveri.com **Average traffic per day:** 113 000 GA sessions **Site language:** Tamil **Site type:** Story **Target country:** India Daily updating at least 5 hot sex stories in Tamil language.

Kambi Malayalam Kathakal

URL: www.kambimalayalamkathakal.com **Average traffic per day:** 31 000 GA sessions **Site language:** Malayalam **Site type:** Stories **Target country:** India Daily updated hot erotic Malayalam stories.

Arab Phone Sex

URL: www.arabphonesex.com **CPM:** Depends on the country - around 1,5$ **Site language:** Arabic **Site type:** Phone sex - IVR **Target country:** North Africa & Middle East Listing of phone sex services for Arabic speaking audience (mobile view).

Hot Arab Chat

URL: www.hotarabchat.com **CPM:** Depends on the country - around 2,5$ **Site language:** Arabic **Site type:** Phone sex - IVR **Target country:** Arab countries Listing of phone sex services for Arabic speaking audience (web view).

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire